शुक्रवार

06 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 41
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

न्याय की रफ्तार सुस्त!

❑उत्तराखंड की अदालतों में 3.35 लाख केस लम्बित

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड के न्यायालयों में वर्ष 2026 के प्रारम्भ में 3 लाख 35 हजार 422 केस लंबित थे जो 2025 के प्रारंभ में लंबित केसों की संख्या से 48812 केस कम हैं। वर्ष 2025 में

●वर्ष 2025 में लंबित केसों में आयी 48812 केसों की कमी, प्रदेश के 9 जिलों में वर्ष में फाइल हुये केसों की अपेक्षा अधिक संख्या में केस निपटायें

उत्तराखंड के 9 जिलों में लंबित केसों में कमी आयी है जिसका कारण फाइल होने वाले केसों की संख्या से अधिक संख्या में केसों का निपटारा करना हैं। यह जानकारी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को उत्तराखंड उच्च न्यायालय के लोक सूचना अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुई है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के लोक सूचना अधिकारी से वर्ष 2025 में लंबित, दायर तथा निपटाये गये केसों के विवरणों की सूचना चाही थी। इसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी/ज्वाइंट रजिस्ट्रार एच.एस.जीना ने अपने पत्रांक 833 के साथ विवरणों की सत्यापित फोटो प्रतियां उपलब्ध करायी है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार वर्ष के प्रारंभ में 1 जनवरी 2025 को उच्च न्यायालय में 55323 केस लंबित थे जो 31 दिसम्बर 2025 को बढ़कर 59416 हो गये जबकि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधीनस्थ न्यायालयों (जिलो के न्यायालयों) में 328911 केस वर्ष के

प्रारंभ में लंबित थे। वर्ष के अंत में घटकर 276006 केस रहे गये। उत्तराखंड के उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों में 2025 के प्रारंभ में लंबित कुल 384234 केसों में से वर्ष 2025 में 48812 केस कम होकर कुल 335422 केस लंबित रह गये।

उत्तराखंड के अधीनस्थ न्यायालयों में 31 दिसम्बर 2025 में लंबित कुल 276006 केसों में सर्वाधिक 95298 केस देहरादून जिले में, दूसरे स्थान पर 77755 केस हरिद्वार जिले में तथा तीसरे स्थान पर 56769 केस उधमसिंह नगर जिले में लंबित थे। अन्य जिलों में अल्मोड़ा में 1938, बागेश्वर में 493, चमोली में 1075, चम्पावत में 1563, नैनीताल में 23437, पौड़ी में 10868, पिथौरागढ़ में 2031, रूद्रप्रयाग में 351, टिहरी में 3207 तथा उत्तरकाशी में 1221 केस लंबित थे।

उत्तराखंड के जिलों में लंबित केसों में केवल 4 जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली तथा पौड़ी में ही थोढ़ी बढ़ोत्तरी हुई है अन्य सभी जिलों में कमी आयी है। अल्मोड़ा में वर्ष के प्रारंभ की अपेक्षा वर्ष के अंत में 92 लंबित केसों, बागेश्वर में 47, चमोली में 48 तथा पौड़ी में 91 केसों की बढ़ोत्तरी हुई है। जबकि अन्य सभी जिलों में लंबित केसों में कमी हुई है इसमें सर्वाधिक 19544 केस हरिद्वार जिले, दूसरे स्थान पर 18857 केस देहरादून जिले तथा तीसरे स्थान पर 9808 केस

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

भाजपा और कांग्रेस की प्रदेश को लेकर 'रणनीति' अस्पष्ट

राजनैतिक दलों में 'अंतर्कलह'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में राजनैतिक दलों में घमासान न हो यह हो ही नहीं सकता है और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप न हो यह भी नहीं हो सकता है। यही नहीं राजनैतिक दलों में 'अंतर्कलह' यह तो आम बात है। चुनावी साल में हर नेता अपना टिकट पक्का करना चाहता है और इसके लिए वह किसी भी 'हद' तक जा सकता है। यहां भाजपा और कांग्रेस की बात करें तो दोनों दलों में 'अंतर्कलह' साफ देखा जा सकता है। राजनैतिक दलों की प्रदेश को लेकर जो भी 'रणनीति' हो, लेकिन यह साफ है कि दोनों दलों में कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

भाजपा की बात करें तो भाजपा की प्रदेश में अभी सरकार है। भाजपा के लिए विधानसभा चुनाव में जीत पक्की करने के लिए समय, संसाधन और जनता का विश्वास कायम रखने के लिए बहुत कुछ था, लेकिन प्रमुख विपक्षी कांग्रेस की माने तो संगठन और सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं हैं। अगर कांग्रेस की माने तो भाजपा में 'अंतर्कलह' है और इसका खामियाजा उसे आने वाले चुनाव में

❑कांग्रेस का आरोप-सरकार और संगठन में है तालमेल की कमी
❑भाजपा का आरोप-कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नहीं बना पाए अपनी टीम

भुगतना होगा। यही नहीं कांग्रेस का आरोप है कि सरकार प्रदेश में ठीक काम नहीं कर रही है। इससे संगठन और सरकार के मध्य किसी भी बात को लेकर एक राय नहीं है।

बता दें कि अगर कांग्रेस के आरोपों को सही माना जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि प्रदेश में भाजपा की सरकार है और भाजपा में कई ऐसे अच्छे नेता है जिन्हें संगठन में दूर रखा हुआ है। प्रदेश में जहां मंत्री पद खाली है और सरकार इन चार सालों में इस पर फैसला नहीं ले पायी। यह दर्शाता है कि 'अंतर्कलह' के कारण इस पर फाइनल मोहर नहीं लग पा रही है। इसके साथ ही भाजपा नेताओं के 'बिगड़े बोल' कई बार भाजपा और सरकार के लिए मुसीबत बन रहे है। यही नहीं जिस पार्टी की सरकार सत्ता में होती है उसके कार्यकर्ता चाहते हैं कि सरकार के सत्ता में होने का उन्हें फायदा मिले, लेकिन प्रदेश में दायित्वधारियों को लेकर चर्चाएं तो होती हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद वह चर्चा फिर बंद हो जाती है। इसका मतलब सरकार और संगठन में सब ठीक नहीं है।

दूसरी ओर कांग्रेस की बात करें तो कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष तो बदल दिया, लेकिन अभी तक कांग्रेस की टीम खड़ी नहीं हो पायी है। भाजपा के नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस अपने घर के झगड़े से निपटे तो कांग्रेस अध्यक्ष अपनी टीम खड़ी करें, लेकिन कांग्रेस में जो 'अंतर्कलह' चल रहा है उससे कांग्रेस के नेता भी खुद की पार्टी के विरोध में बयानवाजी कर रहे हैं। एक ओर कांग्रेस प्रदेश सरकार पर आक्रामक हो रखी है वहीं कांग्रेस नेताओं के आपसी खींचतान से कांग्रेस की टीम खड़ी नहीं हो पा रही है। सूत्रों की माने तो कांग्रेस में हर नेता ही चाहत है कि उसे टीम में पद मिले। शायद यही कारण है कि कांग्रेस भी 'अंतर्कलह' का शिकार हो गई है।

सरकार और संगठन में तालमेल नहीं: यशपाल

उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता यशपाल आर्य ने भाजपा सरकार और संगठन के बीच तालमेल की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि यही वजह है कि लंबे समय से मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के भीतर ही कई विधायक नाराज बताए जा रहे हैं और सरकार तथा संगठन के बीच सामंजस्य की कमी साफ दिखाई दे रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

नीतीश की बिहार से विदाई

दो दशक तक बिहार की राजनीति के शीर्ष पर रहने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिन्हें लोग सुशासन बाबू के नाम के साथ-साथ पलटू राम के नाम से भी जानते हैं अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। भले ही नीतीश कुमार ने अभी सीएम के पद से इस्तीफा न दिया हो लेकिन राज्यसभा के नामांकन पत्र भरने के साथ उनकी बिहार से विदाई तय हो गई वहीं बिहार चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने के बाद भी अपना मुख्यमंत्री न बना पाने वाली भाजपा की यह मुराद भी पूरी होती दिख रही है कि देश के एक राज्य की सत्ता पर भाजपा अपना कब्जा करने में सफल हो गई है। नीतीश कुमार की बिहार से हुई विदाई की संभावनाएं भले ही बहुत पहले से दिखाई दे रही थी लेकिन चुनाव के दौरान 25 से 30 साल फिर नीतीश कुमार के स्लोगन से यह किसी ने नहीं सोचा था की 2026 में ही यह हो जाएगा। हैरान करने वाली बात यह है कि नीतीश कुमार जिन्हें राजनीति का पुरोधा मानने वाले पीएम मैटेरियल बताते थे उन्हें नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का जो कारण अपनी एक पोस्ट में बताया है कि वह राज्य विधानसभा व परिषद के सदस्य रहे तथा लोकसभा के सदस्य भी रहे उनकी इच्छा थी कि राज्य सभा सदस्य भी रहे हैरान करने वाला है आज तक तो किसी पदासीन मुख्यमंत्री ने राज्यसभा जाने के लिए सीएम की कुर्सी छोड़ी नहीं है। फिर नीतीश कुमार को इस अभिलाषा के पीछे क्या कारण है ? इसका जवाब उनके नामांकन के समय देश के गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति की तस्वीरें देती है। जब मजिस्ट्रेट कार्यालय में नीतीश के साथ वह बैठे हैं। यह नीतीश कुमार का अपना फैसला नहीं बल्कि भाजपा का फैसला है जो चुनाव के समय से ही नहीं बीते 16 सालों से बिहार में अपनी सरकार व अपना सीएम बनाने की योजना बनाती रही है। नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के फैसले को भले ही कुछ लोग केंद्र सरकार के अपने मजबूती के तौर पर देख रहे हो लेकिन इसके पीछे भी भाजपा की वह गूढ़ राजनीति छपी है जिसमें वह देश के 28 राज्यों में से टू थर्ड राज्यों में अपनी सरकार बनाकर संविधान बदलने का वैधानिक अधिकार हासिल करने के प्रयास में जुटी हुई है। इस दिशा में बिहार में वह पहली बार अपना मुख्यमंत्री बनाकर एक और कदम आगे बढ़ा चुकी है लेकिन सीएम की कुर्सी पर भाजपा और दो उपमुख्यमंत्री जेडीयू के होंगे। नीतीश कुमार भले ही अपने कौशल से बीते समय में भाजपा को मात देते आए हो लेकिन उनकी बिहार से विदाई ने यह भी तय कर लिया है कि अकाली दल और शिवसेना की तरह से अब भाजपा जेडीयू को भी अस्तित्व विहीन बनाने में सफल हो चुकी है। भाजपा के लिए अब जेडीयू सहयोगी दल नहीं अपनी पार्टी ही हो जाएगी। यह सभी जानते थे कि बीजेपी बिहार में अपने बूते यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती थी इसलिए भाजपा ने बिहार के सबसे मजबूत स्तंभ नीतीश कुमार को इसके लिए चुना। कई बार भाजपा का साथ छोड़ने और जोड़ने के खेल का अब पटाक्षेप हो चुका है लेकिन नीतीश के फैसले से नाराज बिहार के लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि अपने 20 साल के शासन में नीतीश ने बिहार को क्या दिया? सिर्फ अपने राजनीतिक हित साधने के सिवाय?

'सारा' की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। सारा की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक मे सॉन्ग और कमल नदी परियोजनाओं की समीक्षा की गयी।

आज यहां मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व बैंक पोषित जलागम विकास, जल निकायों के पुनर्जीवन, वृक्षारोपण, पारंपरिक नौलों-धारों के संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में देहरादून की सॉन्ग नदी तथा उत्तरकाशी की कमल नदी से संबंधित दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त 23 अप्रैल 2025 को आयोजित सारा की पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा भी की गई। मुख्य सचिव ने सॉन्ग नदी से जुड़े क्षेत्रों का विस्तृत चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए, जहाँ सुधार एवं हस्तक्षेप (इंटरवेंशन) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिन्हित क्षेत्रों के अनुसार आवश्यक कार्यों का निर्धारण कर संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा उनकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन के बाद उसके प्रभाव (इंपैक्ट)

❑सॉन्ग और कमल नदी परियोजनाओं की समीक्षा की

का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी किया जाए। इसके लिए आईआईटी रुड़की जैसे तकनीकी संस्थानों के सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा गया।

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि सारा की बैठकें नियमित अंतराल पर आयोजित की जाएं तथा वाटर रिचार्ज, वनीकरण और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण से जुड़े कार्यों की गति तेज की जाए। उन्होंने सभी जनपदों को निर्देश दिए कि पौराणिक और पारंपरिक नालों-धारों का चिन्हीकरण कर उनकी नैसर्गिक संरचना को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक तरीकों से आवश्यक उपचार किया जाए, ताकि उनकी प्राकृतिकता बनी रहे और पारिस्थितिकी तंत्र पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।मुख्य सचिव ने वन क्षेत्रों में बडच। फंड के माध्यम से कन्वर्जेंस करते हुए जल संरक्षण से जुड़े संबंधित कार्यों को संपादित करें। बैठक में सचिव दिलीप जावलकर, सी रविशंकर, अपर सचिव हिमांशु खुराना, अपूर्वा पांडेय, कहकशां नसी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा सत्र अवधि के दौरान स्वीकृत नहीं होंगे अवकाशः डीएम

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड विधानसभा 2026 का प्रथम सत्र/आय-व्ययक अधिवेशन आगामी सोमवार (9 मार्च) से 13 मार्च (शुक्रवार) तक विधानसभा भवन, गैरसैंण में आहूत हो रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने उक्त अवधि में जनपद स्तरीय अधिकारियों को मुख्यालय न छोड़ने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि सत्रावधि के दौरान अपेक्षित विधान सभा प्रश्नों के उत्तर तथा विधान सभा से संबंधित अन्य बिन्दुओं पर वांछित कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिकारियों की

मुख्यालय में उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी अधिकारी का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाए। साथ ही सभी अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय अवधि के उपरांत भी मुख्यालय/दूरभाष पर अपनी उपस्थिति बनाए रखेंगे ताकि आवश्यकता पर किसी भी समय संपर्क किया जा सके। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त आयोजित होने वाले विधान सभा सत्र के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों अथवा अन्य संगठनों द्वारा विधायकों के माध्यम से उठाए जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण मुद्दों की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि विधानसभा सत्र में उठाए जाने वाले विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया जा सके। जिलाधिकारी ने विधान सभा सत्र अवधि के दौरान अधिकारियों को प्रत्येक कार्य दिवस में नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया है।

जन औषधि दिवस पर जन औषधि परिवार ने किया पैदल जन जागरूकता अभियान

संवाददाता

देहरादून। जन औषधि दिवस पर जन औषधि परिवार ने पैदल जन जागरूकतला अभियान की शुरूआत की।

आज यहां टैगोर विला में चिल्ड्रंस अकादमी स्कूल के पास से जन औषधि दिवस के अवसर पर एक पैदल जन जागरूकता अभियान की शुरुआत मेडिकल एजेंसी के मुकेश अग्रवाल के नेतृत्व में निकाली गई जिसमें सभी भारत माता की जय, व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आम जनता को सस्ती और जेनेरिक दवाईया उपलब्ध कराने हेतु आभार जताया गया। इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए मुकेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी की जरूरत को समझा हैं और उन्हें महंगी दवा से निजात दिलाने के लिए जन औषधि केंद्र का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं हरीश नारंग ने कहा कि करोना जैसी महामारी में भी जन औषधि केंद्रों द्वारा आम आदमी को राहत दी गई। वहीं डॉ आनंद यादव ने कहा कि आज जन जन का विश्वास जन औषधि पर है जो इसकी लोकप्रियता को लगातार वृद्धि कर रहा है। वही शिवम राघव उत्तराखंड नोडल अधिकारी ने कहा कि जन जन ने ठाना है जन औषधि को अपना कर स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर युवाओं व युवतियों का हजुम ने इस यात्रा में सहभागी बना।

भारत को अपनी ऊर्जा सम्बन्धी निर्णय अमेरिका की मंजूरी से लेने पड रहे हैंः जैन

संवाददाता

देहरादूतन। आम आदमी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष शरद जैन ने कहा कि भारत को अपने ऊर्जा संबंधी निर्णय लेने के लिए भी अमेरिका की मंजूरी लेनी पड़ रही है।

आज यहां शरद जैन पूर्व महानगर अध्यक्ष वर्तमान -प्रदेश समन्वय सदस्य ने कहा कि हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी बयान के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ऊर्जा नीति के कारण तेल और गैस का उत्पादन अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुँच गया है। वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने एक अस्थायी 30-दिन की छूट जारी की है, जिसके तहत भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह छूट केवल एक अल्पकालिक व्यवस्था है और इससे रूस को कोई बड़ा आर्थिक लाभ नहीं होगा, क्योंकि यह केवल उस तेल से जुड़े लेन-देन की अनुमति देता है जो पहले से ही समुद्र में फंसा हुआ है। साथ ही अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत जैसे महत्वपूर्ण साझेदार से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह आगे चलकर अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाएगा। यह स्थिति कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले कहा था "देश नहीं झुकने दूंगा, देश नहीं बिकने दूंगा।" लेकिन आज जो स्थिति सामने आई है, उससे यह प्रतीत होता है कि भारत को अपने ऊर्जा संबंधी निर्णय लेने के लिए भी अमेरिका की मंजूरी लेनी पड़ रही है। यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और संप्रभुता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। भारत हमेशा से एक स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है। यदि आज भारत को अपने रणनीतिक फैसलों के लिए किसी अन्य देश की अनुमति लेनी पड़ रही है, तो यह अत्यंत चिंताजनक है। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि सरकार ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को कमजोर किया है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भारतीय जनता पार्टी को देश के सामने आकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए और यदि देश की संप्रभुता से समझौता हुआ है तो देश से माफी मांगनी चाहिए।

भटवाड़ी और चिन्यालीसौड़ में विराट हिंदू सम्मेलनों में जुटी भीड़

उत्तरकाशी(आरएनएस)। भटवाड़ी के रामलीला मैदान में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों की भीड़ जुटी। वहीं चिन्यालीसौड़ के बनचौरा क्षेत्र में भी हिंदू सम्मेलन हुआ जिसमें वक्ताओं ने हिंदुत्व, सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं समाज में जागरूकता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। भटवाड़ी में आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता जिला प्रचारक गौतम ने कहा कि भारत में ऐसे हिन्दू सम्मेलनों की आवश्यकता है। आज भारत में सनातन धर्म को नष्ट करने का षड्यंत्र चल रहा है जिसका सामना करने के लिए हिंदुओं को जागृत करने का काम इन सम्मेलनों के माध्यम से हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आशुतोषा नंद ने सभी से सनातन धर्म को मजबूत बनाने आह्वान किया। इस अवसर पर स्वाती नौटियाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख विनीता रावत, आरएसएस के जिला कार्यवाह कमलेश्वर रतूड़ी, विक्रम सिंह, खंड संघ संचालक केपी रतूड़ी, सतबीर नेगी, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, विक्रम सिंह रावत, जगमोहन सिंह रावत, ब्लाक प्रमुख ममता पंवार, चतर सिंह, मनुजेन्द्र रावत आदि उपस्थित रहे। चिन्यालीसौड़ के बनचौरा क्षेत्र में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पीएम श्री राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज बनचौरा के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत लोक नृत्य प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी।

नलकूप खंड के ईई का एक दिन का वेतन रोका

चम्पावत(आरएनएस)। डीएम मनीष कुमार ने नलकूप खंड के अधिशासी अभियंता उमेश कुमार का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। बहुउद्देशीय शिविर में गैर हाजिर रहने पर ये कार्रवाई की गई है। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि बनबसा में बीते शनिवार को जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत बहुउद्देशीय शिविर लगाया गया था। बताया कि शिविर में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को अनिवार्य उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन नलकूप खंड के अधिशासी अभियंता शिविर में मौजूद नहीं थे। फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, किंतु उनका मोबाइल नेटवर्क क्षेत्र से बाहर पाया गया।

जनता डेयरी पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

रुड़की(आरएनएस)। खाद्य सुरक्षा टीम ने एक महिला की शिकायत पर जनता डेयरी में छापेमारी कर भारी मात्रा में खराब और बासी दूध बरामद कर उसे मौके पर ही नष्ट करवा दिया। महिला उपभोक्ता ने डेयरी से खरीदे गए दूध की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत विभाग से की थी। इस पर खाद्य सुरक्षा टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेंद्र पांडेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान डेयरी पर 25 लीटर दूध बासी और दूषित पाया गया। स्वास्थ्य के प्रति जोखिम को देखते हुए टीम ने दूध को नष्ट कर दिया। इसके साथ ही डेयरी से दूध के नमूने लेकर सील कर दिए गए हैं।

ग्रामीण विकास गोष्ठी आयोजित, पलायन की बढ़ती समस्या पर जताई चिंता

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मल्ला सालम क्षेत्र के ग्राम झालडुंगरा में इंद्रसिंह-आनसिंह स्मृति सार्वजनिक न्यास की ओर से ग्रामीण विकास गोष्ठी और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'गांव से पलायन = कारण एवं निदान' विषय पर वक्ताओं ने विचार रखते हुए पलायन की बढ़ती समस्या पर चिंता जताई। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि सरकारी शिक्षा की बदहाल स्थिति और लगातार घटती छात्र संख्या के कारण स्कूल बंद हो रहे हैं, जिससे गांवों से पलायन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बंजर होती खेती और खाली होते गांवों पर भी चिंता व्यक्त की। वक्ताओं का कहना था कि पलायन रोकने के लिए भूमि चकबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करना और सरकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए गोविन्द लाल वर्मा, गोविन्द सिंह महरा और दौलत सिंह रावत को राम सिंह धौनी सम्मान प्रदान किया गया, जबकि मोहन चंद्र जोशी और बची सिंह बगड्वाल को आनसिंह रावत सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह महरा ने कहा कि गांवों के विकास के बिना प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष पी. सी. तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहन चंद्र जोशी ने की, जबकि संचालन हयात सिंह रावत ने किया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जल रहे कंडारा और आदिबदरी के जंगल!

चमोली(आरएनएस)। ब्लॉक के कपीरी पट्टी के ग्राम पंचायत कंडारा और आसपास के जंगल में लगी आग से वन संपदा को अत्यधिक क्षति पहुंची है। पूर्व प्रधान कुसुम कंडारी और पदमेंद्र कंडारी ने बताया कि दो दिन से जंगल जल रहे हैं। अबक्षेत्र के जंगलों में लगी आग विकराल होती जा रही है। वहीं आदिबदरी के समीप के जंगल दूसरे दिन भी जलते रहे। वहीं बरतोली गांव के जंगल में भी आग लगी जिसे महिलाएं बुझाने में जुट गईं। एक ओर वन विभाग वनाग्नि सुरक्षा के लिए अभियान संचालित कर रहा है लेकिन वनों की सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम नहीं होने से इन अभियानों और बैठकों के दावों पर ही सवाल उठने लगे हैं।

वनों में लगी आग से ग्रामीणों को मवेशियों के लिए चारापत्ती आदि लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों से वनाग्नि को नियंत्रित करने और ग्राम प्रहरियों तथा वन सरपंचों को सजग करने की मांग की।

वहीं आदिबदरी में बदरीनाथ वन प्रभाग के रंडोली और भलसों के जंगल मंगलवार को दूसरे दिन भी धधकते रहे। सामाजिक कार्यकर्ता विजयेश नवानी ने बताया कि विगत दो दिनों से जंगलों में लगी आग और धुएं से सांस के रोगियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मगर वन विभाग की ओर से वनाग्नि को नियंत्रित करने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर वनाग्नि को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग को निर्देशित करने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि विभागीय कर्मियों को त्वरित रूप से कंडारा के जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए भेजा जा रहा है।

शरारती तत्वों ने लगाई आग, रातभर जले जंगल

नारायणबगड़। सोमवार रात से कौब के आरक्षित और पालछूनी वन पंचायत के जंगलों में भीषण आग लगने से पिंडरघाटी में धुआं छाया है। वनकर्मियों के अथक प्रयासों से वनाग्नि को काबू तो कर लिया गया है लेकिन वातावरण में धुआं होने से लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। सोमवार रात को अचानक कौब के जंगल में आग भड़क गई थी। इसके साथ ही पालछूनी वनपंचायत के जंगल में भी किसी ने आग लगा दी। वनक्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि वनकर्मी रातभर जंगल की आग बुझाने में लगे रहे और मंगलवार सुबह इस पर काबू पा लिया गया। बताया कि होल्यारों में शामिल कुछ शरारती तत्वों ने जंगल में आग लगा दी थी।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्रदर्शन

पौड़ी(आरएनएस)। ब्लॉक मुख्यालय कीर्तिनगर में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के बैनर तले एनपीएस/यूपीएस के विरोध में प्रदर्शन एवं नारेबाजी की। मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजीव उनियाल ने सभी से भविष्य में भी एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं कर देती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से पेंशन की पुरानी व्यवस्था लागू रखने की मांग की। मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष संदीप मैठाणी ने कहा कि एनपीएस/यूपीएस जैसी व्यवस्थाएं कर्मचारियों के भविष्य को असुरक्षित बना रही हैं। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना को कर्मचारियों का अधिकार बताते हुए सरकार से इसे शीघ्र बहाल करने की मांग की। ब्लॉक मंत्री सुरजीत सिंह ने कहा कि होली के रंग हमारे लिए तब तक फीके हैं जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती। संरक्षक सतीश बलूनी ने सभी साथियों से एकजुटता का आह्वान किया। इस मौके पर जगमोहन पुंडीर, कमलेश्वर थपलियाल, प्रवीन कुमार, महावीर पालीवाल, पंकज, अनिल भट्ट, दया सागर उनियाल, दीपक मियां, वीरेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

ऊर्जा निगम की अघोषित कटौती और ट्रिपिंग से 60 हजार लोग परेशान

हरिद्वार(आरएनएस)। ज्वालापुर में ऊर्जा निगम की अघोषित बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से करीब 60 हजार की आबादी परेशान है। पिछले एक महीने से ज्वालापुर इलाके में पूर्व सूचना के बिना बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। भी दिनभर कई बार बिजली ट्रिप करती रही, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में दिन हो या रात, किसी भी समय बिजली कटौती हो जा रही है। बढ़ती गर्मी के बीच यह समस्या और गंभीर हो गई है। लोगों का कहना है कि फॉल्ट और मेंटीनेंस के नाम पर भी कई बार सप्लाई बंद की जा रही है। इससे घर-दुकान का काम प्रभावित हो रहा है। बिजली कटौती का सबसे ज्यादा असर छोटे और मध्यम कारोबारियों पर पड़ रहा है। दिन में कई बार बिजली गुल होने से मशीनें बंद हो जाती हैं। बार-बार ट्रिपिंग से मशीनों की मेंटीनेंस लागत बढ़ रही है। लोग बोले-24 घंटे सुचारु हो बिजली की आपूर्ति स्थानीय लोगों ने मांग उठाई है कि ऊर्जा निगम क्षेत्र में 24 घंटे सुचारु और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करे। उनका कहना है कि यदि मेंटेनेंस कार्य जरूरी है, तो उसकी पूर्व सूचना दी जानी चाहिए, ताकि लोग अपने काम की योजना पहले बना सकें।

गंदगी से पटे नाले बन सकते हैं परेशानी का सबब

विकासनगर(आरएनएस)। पछुवादून में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बरसाती पानी की निकासी के लिए बने नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। कई जगह पॉलीथिन भी जमा हैं। बारिश के दौरान गंदा पानी सड़कों पर आने से संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका है। क्षेत्र में एनएच किनारे कई नाले बने हुए हैं। मुख्य बाजार समेत कई अन्य जगहों पर ये नाले भूमिगत हैं, जो कि फुटपाथ के नीचे से गुजर रहे हैं। बरसात से पहले इन नालों की सफाई नहीं होने के कारण हर साल बस्तियों और सड़कों में जलभराव की समस्या पैदा हो जाती है। बाजार के नाले से निकलकर गंदा पानी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में घुस जाता है। इससे सामान खराब हो जाता है। नालों के आसपास के घरों और आवासीय बस्तियों में भी गंदगी घुसती है। पूरे क्षेत्र में छोटे बड़े करीब 30 नाले हैं। ये एनएच के बरसाती पानी के साथ आवासीय बस्तियों से गंदे पानी को आबादी और मुख्य सड़कों से दूर पहुंचाते हैं। इन सभी नालों की निकासी गंदगी जमा होने से अवरुद्ध हो गई है। बरसात में नालों के लबालब होने से गंदगी के सड़कों और बस्तियों में बहने की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद इन नालों की सफाई को लेकर जिम्मेदार विभाग लापरवाह बने हुए हैं।

पीजी और पीएचडी के 570 छात्र-छात्राओं को मिलेगी उपाधि

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के 12वां दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। दीक्षांत समारोह में इस बार स्नातकोत्तर (पीजी) और पीएचडी के करीब 570 छात्र-छात्राओं को उपाधि मिलेगी। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान को विवि की ओर से आमंत्रण दिया गया है।

समारोह 24 मार्च को आयोजित होगा। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि प्रशासन की ओर से दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। नोटिफिकेशन के तहत शैक्षणिक सत्र 2023-24 और 2024-25 बैच के पासआउट स्नातकोत्तर विषयों के छात्र-छात्राएं दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करेंगे। साथ ही जिन छात्रों की 15 मार्च तक पीएचडी मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई हो वह भी 12वीं दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कर सकेंगे। पीएचडी व स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए विवि की ओर से 16 और 17 मार्च को पंजीकरण के लिए पोर्टल खोला जाएगा।

स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 113 के करीब है। समारोह में छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विवि आयोजन स्थल परिसर में टेंट की व्यवस्था करने की भी योजना है। यहां बड़ी स्क्रीन लगाई जानी प्रस्तावित है। समारोह में छात्र गाउन की जगह पारंपरिक वेशभूषा में डिग्री लेने के दौरान मौजूद रहेंगे। वेशभूषा में शामिल पटका और टोपी विवि द्वारा प्रदान की जाएगी।

कूड़ेदान क्षतिग्रस्त कर खाई में फेंके

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। खिूर्स-बुघाणी मार्ग पर रतूड़ा बैंड के समीप अज्ञात असामाजिक तत्वों ने नगर निगम की ओर से लगाए गए कूड़ेदानों को क्षतिग्रस्त कर खाई में फेंक दिया। सूचना मिलने पर निगम कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त कूड़ेदान खाई से निकाले व उन्हें निगम कार्यालय में जमा कराया। निगम प्रशासन ने असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए इस कृत्य की निंदा करते हुए सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की।

प्रेग्नेंट होने से पहले महिलाओं को करवा लेने चाहिए ये टेस्ट

प्रेग्नेंसी के बाद तो मां और शिशु के स्वास्थ्य स्थिति जानने के लिए टेस्ट और नियमित चेकअप करवाए ही जाते हैं लेकिन गर्भधारण करने से पहले भी महिलाओं को कुछ जरूरी टेस्ट करवा लेने चाहिए। डॉक्टर प्रेग्नेंसी से पहले कुछ टेस्ट करवाने की सलाह देते हैं जिन्हें प्री-प्रेग्नेंसी टेस्ट कहा जाता है।

क्या है प्री-प्रेग्नेंसी चेकअप

गर्भधारण करने से पहले डॉक्टर महिला और पुरुष दोनों के ही कुछ टेस्ट करवाते हैं जिनकी मदद से ये पता लगता है कि उन दोनों को कोई बीमारी या स्वास्थ्य समस्या तो नहीं है। इन टेस्ट के रिजल्ट के आधार पर ही डॉक्टर प्रेग्नेंसी के लिए जरूरी आहार, एक्सरसाइज और सप्लीमेंट देते हैं।

ब्लड ग्रुप और एंटीबॉडी स्क्रीन

सबसे पहले महिला का ब्लड ग्रुप जानने के लिए ब्लड टेस्ट करवाया जाता है। यदि किसी महिला का आरएच नेगेटिव या आरएच पॉजीटिव ब्लड है और उसके पार्टनर का आरएच नेगेटिव ब्लड ग्रुप है तो आरएच नेगेटिव महिला एवं आरएच पॉजीटिव पुरुष के शिशु में हीमोलिएटिक डिजीज का खतरा रहता है। इस स्थिति में शिशु के मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है या नवजात की मृत्यु भी हो सकती है।

प्रेग्नेंसी से पहले महिला का एंटीबॉडी टेस्ट भी करवाया जाता है। अगर किसी महिला ने पहले कभी खसरे या रूबैला के लिए बहुत समय पहले वैक्सीन लगवाया था तो इस टेस्ट की मदद से पता लगाकर उन्हें बूस्टर वैक्सीन लेने की जरूरत जांची जाती है।

सिफलिस सेरोलॉजी

सिफलिस इंफेक्शन के लिए ब्लड टेस्ट करवाया जाता है। सिफलिस एक यौन संक्रमित इंफेक्शन है जिसमें अक्सर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। सिफलिस के कारण गर्भावस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है लेकिन इसके पता चलने के बाद एंटीबायोटिक की मदद से आसानी से इसका इलाज किया जा सकता है।

वायरल इंफेक्शन

डॉक्टर इस बात की सलाह देते हैं कि सभी महिलाओं को गर्भधारण से पहले और प्रेग्नेंसी के दौरान हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी और एचआईवी की जांच करवा लेनी चाहिए। इनकी वजह से गर्भवती महिला और शिशु दोनों को ही मुश्किल हो सकता है।

यूरिन टेस्ट

प्री-प्रेग्नेंसी चेकअप में मूत्रमार्ग में संक्रमण यानी यूटीआई और किडनी से जुड़ी समस्याओं का पता लगाने के लिए पेशाब की जांच की जाती है।

गायनेकोलोजिकल स्क्रीनिंग

इस स्क्रीनिंग में यूटराइन फाइब्राएड, सिस्ट, गैर-कैंसरकारी ट्यूमर या पेल्विक इंफ्लामेट्री डिजीज का पता लगाया जाता है। इसके अलावा प्रेग्नेंसी को प्रभावित करने वाली समस्याओं जैसे कि अनियमित माहवारी और पीसीओएस की भी जांच की जाती है।

अन्य ब्लड टेस्ट

विटामिन बी की कमी, हीमोग्लोबिन काउंट जानने, आरएच फैक्टर, रूबैला, वैरीसेला, टीबी, थायराइड और टोक्सोप्लासमोसिस आदि की जांच के लिए भी प्रेग्नेंसी से पहले डॉक्टर महिलाओं को ब्लड टेस्ट करवाने की सलाह देते हैं।

बिना सर्जरी पतले होंठो को आपभी बना सकती हैं फुलर, आजमाएं ये मेकअप टिप्स

आंखों की सुंदरता के बाद हम अक्सर गुलाबी होंठो की बात किया करते हैं। होंठ अगर पतले हों, तो वह कम आकर्षक दिखते हैं। वहीं, भरे हुए होंठ सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। आज कल जमाना फुलर लिप्स का है। इसलिए न सिर्फ आम सेलेब्स बल्कि आम लड़कियों में भी लिप सर्जरी का क्रेज बढ़ गया है।

अगर आप होंठो को बिना सर्जरी के ही भरा और आकर्षक बनाना चाहती हैं, तो यह काम बड़े आराम से मेकअप के जरिए भी किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे मेकअप टिप्स देगें, जिससे आप बिना किसी सर्जरी के फुलर लिप्स पा सकेंगी।

होंठो पर आउटलाइन करें

अगर आप लिप लाइनर का उपयोग करती हैं, तो उसकी मदद से भी आप फुलर लिप्स पा सकती हैं। इसके लिए न्यूड या पिंकिश न्यूड शेड चुनें और इसे अपने होठों की आउटलाइन पर लगाकर ब्लेंड करें। इससे फुलर लिप्स का भ्रम पैदा होगा, जिससे आपके होंठ बड़े और भरे हुए दिखेंगे।

होठों को हाइलाइट करना उतना ही जरूरी है, जितना कि आपके गालों को उभारना। ऊपरी लिप्स की आउटलाइन और क्यूपिड बो पर हाइलाइटर की मदद से हल्का उभार दें, जिससे होंठ बड़े और भरे हुए दिखें।

दाग-धब्बों को छुपाने के लिए लड़कियां जिस कंसीलर का प्रयोग करती हैं। वही कंसीलर होंठो को भरा दिखाने में भी मदद कर सकता है। इसके लिए लिपस्टिक लगाने से पहले कंसीलर को ऊपर की तरफ होठों के बीच में लगाएं। फिर इसे बाहरी किनारों की ओर रब करें। क्योंकि यह आपके होंठों को भरा हुआ दिखाने में मदद करता है। होंठो को उभरा हुआ दिखाने के लिए एक ग्लॉसी लिपस्टिक का चुनाव करें। क्योंकि यह मैट लिपस्टिक की तुलना में आपके होंठों को भरा हुआ बनाएगी। यदि आपके पतले होंठ हैं, तो डार्क लिपस्टिक का उपयोग करने से बचें।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

अजीत द्विवेदी

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है।

जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है।

वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है।

देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे।

अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ।

मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैम्पस में एक ब्राह्मण पत्रकार की जाति पूछ कर उसके ऊपर हमला किया गया। विपक्ष खास कर राहुल गांधी की बहुजन राजनीति से घबरा कर भाजपा ने यह प्रयोग किया। उसको लग रहा है कि सामान्य जातियां उसको बाई डिफॉल्ट वोट देंगी। लेकिन अब यह वोट का मामला नहीं रह गया है।

जहां तक गहरे राजनीतिक विभाजन की बात है तो इसकी शुरुआत कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से हुई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया था। उसके बाद से भाजपा, उसकी सरकार, उसका पूरा इकोसिस्टम और मीडिया व सोशल मीडिया का पूरा तंत्र इस काम में लग गया कि किस तरह से कांग्रेस शासन की पूरी विरासत को मिटाया जाए, कैसे उसके नेताओं की साख खराब की जाए, कैसे उसे कमजोर किया जाए और कैसे उसे चुनाव हराया जाए।

इसके बाद भाजपा ने यह प्रचार शुरू किया कि सिर्फ वही एक अच्छी पार्टी है बाकी पार्टियां भ्रष्ट, परिवारवादी और राष्ट्रविरोधी हैं। चुनाव के समय पहले भी पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाती थीं। लेकिन भाजपा ने इसे रोजमर्रा का काम बना दिया। 24 घंटे और 365 दिन भाजपा की मशीनरी इस काम में लग गई। पहले तो पार्टियां, नेता और आम लोग भी इसे आश्चर्य की नजर से देखते रहे लेकिन फिर

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य -062

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

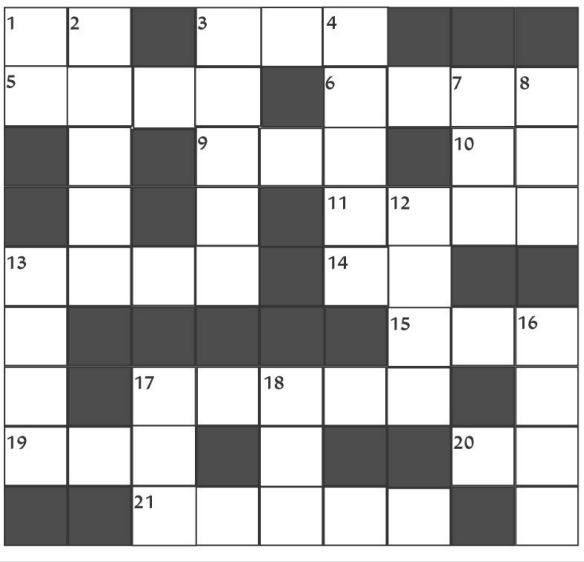

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज!

अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ़ नज़र आ रही है।

फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुंच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीज़र को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीज़र एक ऐसी दुनिया का दरवाज़ा खोलता है, जहां समय से भी पुराना एक गहरा राज़ दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है।

नागबंधम की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है।

इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहां ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है।

ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त..., यह दमदार लाइन नागाबंधम की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना-सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ़ विज़न इस टीज़र में साफ़ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है।

हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीज़र अपनी विजुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज़ से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। पहले ही फ्रेम से नागबंधम एक भव्य विजुअल एपिक होने का अहसास कराती है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस ने कमाल की बारीकी के साथ दिल दहला देने वाले नज़ारों को कैमरे में कैद किया है, वहीं हाई-एंड वीएफएक्स फिल्म के स्केल को और भी बड़ा बना देते हैं।

विजुअल्स के साथ-साथ अशोक कुमार का शानदार प्रोडक्शन डिज़ाइन, जुनैद कुमार का रोंगटे खड़े कर देने वाला बैकग्राउंड स्कोर और आरसी प्रणव की जबरदस्त एडिटिंग दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां भक्ति युद्ध बन जाती है और आस्था गुस्से में बदल जाती है।

प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज़ काफी मज़बूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विज़न को पूरा सपोर्ट किया है। भारी-भरकम सेट्स लगाने से लेकर वीएफएक्स और हर टेक्निकल बारीकी पर जिस तरह ध्यान दिया गया है, उससे साफ़ है कि यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है। कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नज़र आ रहे हैं। टीज़र में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़... ◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

यह मुख्यधारा का राजनीतिक काम बन गया कि एक दूसरे के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार चले।

अब विपक्षी पार्टियों की सरकारों के नीतिगत फैसलों और नेताओं के निजी चरित्र को लेकर लगातार आलोचना चलती रहती है। लगातार 12 साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी कांग्रेस की पहले की सरकारों और नेताओं की कमियां बता कर वोट मांगते हैं। संसद में खड़े होकर भाजपा के सांसद कांग्रेस के पुराने नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों को गद्दार' और अय्याश' बोलते हैं। विपक्ष के मौजूदा नेतृत्व को पप्पू', टुकड़े टुकड़े गैंग', देश विरोधी', सनातन विरोधी', टोंटी चोर', चारा चोर' आदि कहा जाता है। जवाब में दूसरी तरफ से भी सत्तापक्ष के नेताओं के लिए इसी तरह के विशेषणों का प्रयोग होने लगा है। तड़ीपार' और चौकीदार चोर है' से शुरू हुआ प्रचार कॉरपोरेट के नौकर', देश बेचने वाले' और ट्रंप के गुलाम' तक पहुंच गया है। ऐसा नहीं है कि नेता इसे राजनीतिक बयानबाजी भर मान रहे हैं। वे इसे सच मानते हैं और उनके निजी संबंध भी इसी से निर्धारित हो रहे हैं। चूंकि सभी पार्टियों के नेता खास कर भाजपा में ज्यादातर नेता बिना राजनीतिक आधार वाले हैं इसलिए वे अपने पार्टी नेतृत्व की ओर से कही गई बात को ब्राह्म वाक्य मान कर दोहराते रहते हैं। सभी नेताओं का एकमात्र काम अपने नेतृत्व को खुश करना हो गया है। इसके लिए वे विरोधी नेताओं के बारे में अनाप शनाप बोलते रहते हैं। उनके बीच इस बात का कंपीटिशन है कि विरोधी नेता के लिए कौन ज्यादा अपमानजनक बात कह सकता है। अपने विरोधी नेताओं के प्रति अपमान का भाव ही भारतीय राजनीति की पहचान बन गई है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है।

अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

पिछले माह 20 फरवरी को रिलीज़ हुई फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी' में नजर आएंगी सनी लियोन

एक्ट्रेस सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी' में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस फिल्म से जुड़े किस्से शेयर किए। साथ ही बताया कि कैसे ये फिल्म उनके करियर में बड़ा बदलाव ला सकती है।

सनी ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन फिल्मों में से एक है, जिसके बारे में जिन भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मैं मिली, उन्होंने कहा- यह वही फिल्म है, जो आपकी इमेज या करियर बदल देगी।' मुझे सच में लगता है कि यह फिल्म मुझे एक अलग मुकाम पर ले जा सकती है और उम्मीद है कि इसके बाद मुझे और अच्छा काम मिलेगा।'

उन्होंने आगे कहा, अनुराग सर और मैंने साथ में कई खास पल शेयर किए। हम अपने अतीत, जिंदगी के अनुभवों और अलग-अलग कहानियों के बारे में बात करते थे। मुझे महसूस हुआ कि मुझे सच में देख या सुन रहा है। मैं सुरक्षित महसूस करती थी, और उसी वजह से मैं स्क्रीन पर भी बेहतर प्रदर्शन कर पाई।'

सनी ने कहा, यह बहुत जरूरी होता है, लेकिन बहुत कम लोग आपको ऐसा माहौल देते हैं, जहां आप सुरक्षित महसूस करें। जब आपको लगता है कि आप अच्छे हाथों में हैं, तब आप खुलकर अपना काम कर पाते हैं।'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित कैनेडी' में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है।

इस फिल्म में सनी चार्ली' का किरदार निभा रही हैं, जो मुख्य किरदार उदय शेट्टी की दुनिया में उलझ जाती है। उदय शेट्टी का रोल राहुल भट्ट ने निभाया है, जो फिल्म में एक पहले एक पुलिसवाला रहता है और बाद में कॉन्ट्रैक्ट किलर बन जाता है। सनी के मुताबिक, चार्ली एक रहस्यमयी, नाजुक लेकिन अंदर से मजबूत लड़की है।

कठूली, चौरा और भरपूर नहर में फिर पानी चलने की जगी उम्मीद

नई टिहरी(आरएनएस)। लंबे इंतजार के बाद टिहरी जिले की तीन सिंचाई नहरों की मरम्मत होने की उम्मीद जगी है। नहरें क्षतिग्रस्त होने के कारण काश्तकारों को सिंचाई में दिक्कत होती है। जर्जर नहरों की मरम्मत के लिए सिंचाई विभाग को लगभग डेढ़ करोड़ की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद आगामी अप्रैल से नहरों पर पुनर्निर्माण कार्य शुरू होगा। जाखणीधार ब्लॉक के कठूली नहर पिछले तीन-साल से क्षतिग्रस्त थी। सिंचाई करने के लिए खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था जिससे काश्तकारों को दिक्कतों का समाना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोग लंबे समय से नहर मरम्मत करने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाए हुए थे लेकिन विभागीय अधिकारी बजट का अभाव बताकर पल्ला झाड़ते आ रहे थे। प्रतापनगर ब्लॉक की भरपूर नहर लंबगांव-रावतगांव-बिजपुर-पनियाला सड़क निर्माण के दौरान जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई थी। नहर में मलबा भरने से खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना किसानों के लिए टेढ़ी खीर बनी हुई थी। जाखणीधार ब्लॉक की चौरा नहर भी लंबे समय से जर्जर बनी हुई थी। सिंचाई के अभाव में काश्तकार खेती करने में रूचि नहीं ले पा रहे थे। खेत बंजर होते जा रहे थे।

टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों को मिले निशुल्क बिजली-पानी

नई टिहरी(आरएनएस)। निशुल्क बिजली-पानी की सुविधा के साथ बांध से मिलने 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी में विकास कार्यों पर खर्च किए जाने की मांग को लेकर विस्थापित और प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना जारी है। धरने पर बैठे लोगों ने मांगों के निस्तारण न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। बौराड़ी के गणेश चौक में सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी के नेतृत्व में संचालित धरना चौथे दिन भी जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता भंडारी ने कहा कि होली के दिन भी धरना जारी रहेगा। कहा कि निशुल्क बिजली-पानी बांध विस्थापितों और प्रभावितों अधिकार है, उन्हें उनका हम मिलना चाहिए। कहा कि टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर खर्चा किया जाना चाहिए। टिहरी के लोगों ने देश के विकास में अपने मातृ भूमि के साथ अपनी संस्कृति का बलिदान दिया है। कई वर्ष बीते जाने के बाद टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है, ग्रामीण क्षेत्रों के लोग पुनर्वास के लिए दर-दर भटक हैं। टिहरी बांध से मिलने वाली रॉयल्टी को प्रदेश सरकार टिहरी में खर्च न कर बाहरी राज्यों में खर्च कर रही है। इस मौके पर विकास पंवार, अनुसूया प्रसाद नौटियाल, असद अली, अब्दुल सफीक, अजय पंवार, दिनेश भट्ट, चंदन लाल, रोशनी कडियाल, देवांक चमोली, असरुफी सेमवाल, सरोजनी देवी, गगन राणा, बीएस परमार, रुकमा देवी आदि मौजदू थे।

सू- दोकू क्र.062

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 61 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

जिला अस्पताल में नहीं खुल पाई पुलिस चौकी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट व अभद्रता की घटनाओं को लेकर कई बार चर्चाओं में रहा है। अस्पताल स्टाफ लंबे समय से परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग करता आया है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

वर्ष 2017 में कोतवाली पुलिस उत्तरकाशी ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत अस्पताल परिसर में अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित की थी। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर से इसका विधिवत उद्घाटन भी किया गया था। हालांकि, बाद में किन्हीं कारणों से यह चौकी हटा दी गई। पिछले कुछ वर्षों में अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं बढ़ी है।

गत वर्ष इमरजेंसी वार्ड में रात के समय डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से स्थायी चौकी खोलने की मांग को फिर से प्रमुखता से उठाया।

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पोखरियाल के अनुसार, कई बार मरीजों के तीमारदारों की ओर से डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। बीते वर्षों में सामने आए मामलों के कारण अस्पताल स्टाफ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस चौकी का प्रस्ताव काफी पहले पुलिस प्रशासन को भेजा जा चुका है लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खुलने से डॉक्टरों, स्टाफ और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। एसपी कमलेश उपाध्याय का कहना है कि अस्पताल परिसर में दोबारा चौकी खोलने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया गतिमान है।

खगमरा में गुलदार पिंजरे में कैद, लोगों ने ली राहत की सांस

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिले में इन दिनों नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गुलदार की मौजूदगी लोगों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। इसी बीच नगर के खगमरा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से दहशत फैला रहा गुलदार मंगलवार तड़के वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन और खगमरा सहित आसपास के इलाकों में गुलदार की लगातार चहलकदमी देखी जा रही थी।

कई बार वह रिहायशी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुआ, जिससे लोगों में भय का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि गुलदार ने घरों के आंगन से कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था, जिसके बाद क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की थी। लोगों की शिकायत पर वन विभाग ने खगमरा क्षेत्र में पिंजरा लगाया था। मंगलवार सुबह गुलदार के उसमें फंसने की सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि गुलदार के पकड़े जाने से अब क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली है।

प्राथमिक उपचार के लिए भी जाना पड़ रहा 30 किमी दूर

चमोली(आरएनएस)। पर्यटन नगरी लोहाजंग में प्राथमिक उपचार की सुविधाएं ही नहीं हैं जबकि यहां बारहमासी पर्यटक आते हैं। यही नहीं लोहाजंग आसपास के 20 से 30 गांवों का केंद्र भी है। मगर यहां अस्पताल नहीं होने से मरीजों को प्राथमिक उपचार के लिए 20 से 30 किमी दूर देवाल जाना पड़ता है। ग्रामीणों की ओर से यहां लगातार स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की मांग भी की जा रही है। लोहाजंग के आसपास के मुंदोली, बानुड़ी, हरनी, सुया, धारकोट, कुलिंग, बांक, वाण, दीदना सहित 20 से अधिक गांवों की करीब सात हजार की आबादी है लेकिन यहां स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं। रूपकुंड पर्यटन विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह राणा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के लिए यहां पर देश-विदेश के पर्यटक आते हैं लेकिन इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा नहीं होने से लोगों को सर्दी, जुकाम सहित मामूली बीमारी के लिए भी 20 से 40 किमी दूर देवाल जाना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लोहाजंग में स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत की मांग की।

प्रशासन वार्ता के लिए पहुंचा, ग्रामीण लिखित आश्वासन पर अड़े रहे

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)।सड़क, पुल, पेयजल निर्माण और आपदा के बाद क्षतिग्रस्त कार्यों के पुनर्निर्माण सहित 10 सूत्री मांगों के लिए बसुकेदार में ग्रामीण दूसरे दिन भी आमरण अनशन पर डटे रहे। प्रशासन ने उनसे वार्ता की लेकिन वह लिखित आश्वासन पर अड़े रहे। वहीं डॉक्टरों की टीम ने शिवानंद नौटियाल, दीनानाथ और रामचंद्र सिंह पंवार की स्वास्थ्य जांच की जिसमें उनका शुगर लेवल कम मिला। आमरण अनशन के दूसरे दिन जखोली के एसडीएम भगत सिंह फोनिया धरना स्थल पहुंचे और कार्यों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया, लेकिन अनशनकारियों ने जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ ही लिखित आश्वासन की मांग दोहराई। इधर डॉक्टरों की टीम ने भी अनशनकारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान अनशनकारियों का शुगर लेवल में कम मिला। अनशनकारियों ने कहा कि पूर्व में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया मगर कार्य धरातल पर शुरू नहीं हुए। ग्रामीणों ने बीते अगस्त माह की आपदा के बाद लंबित पुनर्निर्माण, बड़ेथ के बुगला तोक में मिनी स्टेडियम निर्माण, बड़ेथ-भटवाड़ी सड़क, बड़ेथ-जोला-उछोला मार्ग, बष्टी से वेबनगर होते हुए डुंगर तक सड़क, चंदन गंगा नदी पर पुल निर्माण और छेनागाड़ बाजार के पुनर्निर्माण की मांग की। उन्होंने नेटवर्क और बैंकिंग सुविधा की मांग भी की।

जरड़ा-नरयूंका मार्ग के डामरीकरण को मिली 25 करोड़ की मंजूरी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पीएमजीएसवाई के तहत जरड़ा नरयूंका मोटर मार्ग का डामरीकरण एवं सुधारीकरण होने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों की आवाजाही सुगम होगी।

धारी कफनौल क्षेत्र के निवासियों का ब्लॉक मुख्यालय तक का सफर लगभग 12 किमी कम हो जाएगा। जरड़ा-नरयूंका मोटर मार्ग के डामरीकरण और सुधार कार्य के लिए भेजी गई डीपीआर को स्वीकृति मिलने के बाद विभाग ने निविदाएं आमंत्रित कर ली हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी ने परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है जिससे सड़क का सुदृढ़ीकरण और डामरीकरण किया जाएगा। इस कार्य से जरड़ा, छुड़ी, तेड़ा, तियां, बजलाड़ी, नरयूंका, पालुका, खाबला, धारी और कलोगी सहित एक दर्जन से अधिक गांवों को लाभ मिलेगा। धारी कफनौल क्षेत्र के लोगों को अब ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने के लिए पहले की तुलना में 12 किमी कम दूरी तय करनी पड़ेगी। अभी तक लोगों को कुंवा-कफनौल मोटर मार्ग से होकर लगभग 40 किमी की दूरी तय करनी पड़ती थी। वर्ष 2010 में बने मोटर मार्ग का लोक निर्माण विभाग डेढ़ दशक बाद भी डामरीकरण नहीं कर पाया जिससे ग्रामीणों को जोखिमभरी आवाजाही करनी पड़ रही थी। वर्षा ऋतु में मार्ग से जुड़े गांवों के काश्तकारों को नकदी फसलों को मंडी तक पहुंचाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब पीएमजीएसवाई पुरोला को हस्तांतरण के बाद सड़क के डामरीकरण और सुधारीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। विभाग के ईई योगेंद्र कुमार ने बताया कि जरड़ा नरयूंका मोटर मार्ग के डामरीकरण के लिए 24 करोड़ पिचहत्तर लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है, जिसके लिए निविदा आमंत्रित की गई है।

पुलिस ने गुम हुआ मोबाइल लौटाया

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पिथौरागढ़ पुलिस ने एक व्यक्ति को गुम हुआ मोबाइल लौटाया है। स्थानीय ललित बिष्ट ने कोतवाली में तहरीर दी कि उनका मोबाइल फोन कहीं गुम हो गया है। कोतवाल ललित मोहन जोशी ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मोबाइल को सर्विलांस के माध्यम से ट्रैक कराया। प्राप्त लोकेशन के आधार पर एक पुलिस कर्मी को मौके पर भेजा और मोबाइल जब्त किया। ललित ने पुलिस का आभार जताया।

वाहन खाई में गिरा, चालक की मौत

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक टिप्पर वाहन के खाई में गिर जाने से चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला। जिसका पोस्टमार्टम कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 7.20 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गुरना मंदिर से पहले एक टिप्पर वाहन खाई में गिर गया है। सूचना प्राप्त होते ही चौकी एचोली से उपनिरीक्षक कमलेश चंद्र जोशी मय हमराही पुलिस बल के तत्काल मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन हेतु एसडीआरएफ टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। रेस्क्यू के दौरान पाया गया कि एक व्यक्ति मुख्य सड़क से लगभग 60 मीटर गहरी खाई में गिरा हुआ है, जिसकी मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। मृतक की पहचान केशव सिंह बोरा निवासी ग्राम दुंगा टोली, पिथौरागढ़, उम्र लगभग 48 वर्ष के रूप में हुई है, जो उक्त टिप्पर वाहन का चालक था। प्रारंभिक जानकारी में ज्ञात हुआ कि वाहन चालक केशव सिंह बोरा कल दोपहर के समय वाहन में गिट्टी भरकर लोहाघाट गया हुआ था तथा लोहाघाट से वापस आते समय यह दुर्घटना घटित हो गई। पुलिस द्वारा मृतक का पंचायतनामा भरकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जाँच जारी है।

नाबालिग का अपहरणकर्ता गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग के अपहरणकर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 फरवरी को पथरी क्षेत्रान्तर्गत निवासरत मुकदमा वादी ने थाना पथरी में तहरीर देकर बताया कि उनकी नाबालिक पुत्री को अवशीष द्वारा बहला फुसला कर घर से ले जाया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह वादी की नाबालिग पुत्री भट्टा तिराहा पथरी से सकुशल बरामद किया तथा आरोपी अवशीष पुत्र कृष्णपाल निवासी नंदपुर थाना रामपुर मनिहारन जिला सहारनपुर को हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कार्रवाई की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में बकरी के साथ सड़क पार कर रहे चरवाहे को बचाने के चक्कर में मोटर साइकिल ऑटो की चपेट में आ गयी। जिसके चलते बाइक सवार व चरवाहा दोनो घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह वीवीआईपी ड्यूटी की व्यवस्थाओं की जांच करने एवं डी-ब्रीफिंग के लिए निकल रहे एसएसपी नवनीत सिंह को फाउंड्री गेट से भगत सिंह चौक के बीच सड़क पर दो घायल मिले जो सड़क दुघर्टना में घायल हो गए थे। पूछताछ में सामने आया कि बकरी के साथ सड़क पार कर रहे चरवाहे को बचाने की कोशिश में मोटर साइकिल ऑटो से टकरा गयी जिस वजह से बाइक सवार घायल हो गया। साथ ही चरवाहे को भी चोट आयी। मानवता का उदाहरण पेश करते हुए एसएसपी नवनीत सिंह द्वारा मौके पर 108 को बुलाकर घायलों को अन्य मातहत के सहयोग से तुरंत मेला हॉस्पिटल भिजवाया गया। चेतक द्वारा दी गई सूचना पर घायल बाइक सवार के परिजन अस्पताल में मौके पर पहुंच चुके हैं। चिकित्सकों के मुताबिक दोनों घायलों की हालत खतरे से बाहर है। जिनका उपचार जारी है।

न्याय की रफ्तार सुस्त!

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उधमसिंह नगर जिलों तथा चौथे स्थान पर 2961 केस नैनीताल जिले में कम हुये हैं। अन्य जिलों में 1126 केस चम्पावत, 394 पिथौरागढ़, 83 रूद्रप्रयाग, 260 टिहरी ततथा 143 उत्तरकाशी जिले में शामिल है।

लंबित केसों में कमी आने का प्रमुख कारण वर्ष में दायर होने वाले केसों की अपेक्षा अधिक संख्या में केसों का निपटारा करना है। वर्ष 2025 में कुल 240248 केस फाइल हुये हैं जबकि निपटारा 289060 केसों का किया गया है जो फाइल हुये केसों का 120 प्रतिशत है। जहां उच्च न्यायालय में दायर केसों की अपेक्षा 82 प्रतिशत केसों का निपटारा हो पाया है वहीं अधीनस्थ न्यायालयों में 124 प्रतिशत केसों का निपटारा हो पाया है। जिलों में अल्मोड़ा में दायर केसों की संख्या के 97 प्रतिशत केसों का निपटारा हुआ हैं जबकि बागेश्वर में 96, चमोली में 98, चम्पावत में 139, देहरादून में 120, हरिद्वार में 159, नैनीताल में 115, पौड़ी में 99, पिथौरागढ़ में 107, रूद्रप्रयाग में 105, टिहरी में 104, उधमसिंह नगर में 128 तथा उत्तरकाशी जिले में 107 प्रतिशत केसों का निपटारा किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्रामीण शिक्षा को मिली मजबूती

16 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए भूमि हस्तांतरण को स्वीकृति

संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्रामीण शिक्षा को मजबूती प्रदान करते हुए 16 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए भूमि हस्तांतरण को स्वीकृति दे दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा जनपद चम्पावत की तहसील लोहाघाट के अंतर्गत राज्य सरकार की भूमि पर संचालित 16 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए भूमि अभिलेखों में हस्तांतरण की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह हस्तांतरण लोक प्रयोजन के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा विभाग, उत्तराखंड शासन के नाम किया गया है। शासन द्वारा निर्धारित शर्तों एवं प्रावधानों के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों

की आधारभूत संरचना को स्थायित्व मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि यह निर्णय जिलाधिकारी मनीष कुमार के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा प्रस्तुत विस्तृत आख्या के आधार पर लिया गया है। यह पहल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्वीकृति प्राप्त विद्यालयों में राजकीय प्राथमिक विद्यालय निडिल, बडोली, असलाड़, कोटसारी, रौशाल, डैसली, नगरुघाट, दसलेख, ठांटा, पीपलखान, बटोली, नरसों, राइकोट कुंवर, खड़नौला, मटियाल तथा कुण्डीमारा शामिल हैं। इन विद्यालयों के लिए कुल लगभग 0.597 हेक्टेयर भूमि का हस्तांतरण स्वीकृत किया गया है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि इस निर्णय से विद्यालयों के लिए भूमि अभिलेखों में स्पष्टता एवं स्थायित्व सुनिश्चित होगा, जिससे भविष्य में विद्यालयों के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर प्रत्येक बच्चे के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

मारपीट में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज किया

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नथनपुर निवासी करिश्मा रावत ने नेहरू कालोनी थाने में सत्येन्द्र रावत, सरिता रावत व अभिषेक रावत के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं दूसरी तरफ से सत्येन्द्र रावत ने दीपक रावत, करिश्मा व अन्यों के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

झूठी सूचना देने पर दस हजार का चालान

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। पुलिस को झूठी सूचना देना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। पुलिस ने उसके खिलाफ दस हजार की चालानी कार्यवाही कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली जौलजीबी में डायल 112 के माध्यम से एक व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि उसके घर के दरवाजे बनाने वाली मशीन चोरी हो गई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष जौलजीबी प्रदीप कुमार मय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक महेश पन्त व का. महेश सिंह बोरा शामिल रहे, जिन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर गहन जांच पड़ताल की। जांच के दौरान पता चला कि सूचना देने वाला व्यक्ति मो. इब्राहिम निवासी पश्चिमी चम्पारन है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि मशीन चोरी नहीं हुई थी, बल्कि उसने स्वयं ही मशीन अपने एक साथी को काम करने के लिए दी थी। साथी द्वारा मशीन लौटाने में देर होने पर उसे सबक सिखाने के उद्देश्य से उसने डायल 112 पर झूठी सूचना दे दी। झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 10,000 रुपये का चालान किया गया तथा चालानी रिपोर्ट न्यायालय प्रेषित की गई है।

हाई पावर कमेटी ने 187.11 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को दी मंजूरी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में हुई हाई पावर कमेटी की बैठक में 187.11 करोड की वार्षिक कार्यपरियोजना को मंजूरी दे दी।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना की हाई पावर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना की अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 187.11 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना को अनुमोदित किया गया। यूसीआरआरएफपी की चतुर्थ हाई पावर कमेटी की बैठक में समिति ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की 62.19 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित वार्षिक कार्ययोजना को भी स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही परियोजना के प्रभावी संचालन के लिए तैयार परियोजना संचालन दिग्दर्शिका, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम मैनुअल

तथा विभिन्न प्रपत्रों और दिशानिर्देश पुस्तिकाओं का अनुमोदन किया गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए ग्राम स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जाएं, ताकि ग्रामीणों को परियोजना का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए परियोजना के माध्यम से बारानी कृषि को अधिक सक्षम और टिकाऊ बनाया जाना आवश्यक है। बैठक में सचिव/मुख्य परियोजना निदेशक दिलीप जावलकर, सचिव सी रविशंकर, परियोजना निदेशक हिमांशु खुराना, अपर सचिव अपूर्वा पांडेय, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सारा कहकशां नसीम, संयुक्त निदेशक डा. ए.के. डिमरी, मुख्य वित्त अधिकारी दीपक भट्ट, उप निदेशक डा. एस.के. उपाध्याय, डा. डी.एस. रावत, डा. सिद्धार्थ श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रंग लगाने के बहाने युवती के साथ छेड़छाड़ करने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। रंग लगाने के बहाने युवती से छेडछाड करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार राजीव नगर निवासी एक युवक द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी पर एक लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि, होली के दौरान जब वो अपने कुछ अन्य दोस्तों के साथ अपने घर के बाहर मुख्य सडक पर खड़े थे तभी दो लड़के उनके पास आये तथा उनकी एक महिला मित्र के साथ छेड़खानी करते हुए बदतमीजी करने लगे, विरोध करने पर उक्त लडकों द्वारा उसके व उनके दोस्तों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की सवेंदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों पर नेहरू कॉलोनी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल व उसके आस-पास आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों से संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर घटना में प्रकाश में आये दोनो अभियुक्तों विकास रावत पुत्र डीएस रावत निवासी गंगोत्री निवास राजीव नगर, थाना नेहरू कॉलोनी तथा संजीव नेगी पुत्र श्री भगत सिंह नेगी निवासी 232 दीप नगर, थाना नेहरू कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महिला टीचर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के रायपुर थाना क्षेत्र के बालावाला इलाके से एक बेहद दर्दनाक और हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली 23 वर्षीय शिक्षिका ने अपने कमरे में पंखे से लटककर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मृतका राजलक्ष्मी पुत्री लोकेश पांडे है जो मूल रूप से हल्द्वानी के मोती नगर की रहने वाली थी। वह देहरादून के बालावाला स्थित शिव शक्ति एन्क्लेव में एक मकान की पहली मंजिल पर किराए के कमरे में अकेली रहती थी और एक निजी विद्यालय में बतौर टीचर अपनी सेवाएं दे रही थी। बताया जा रहा है कि बुध वार को राजलक्ष्मी अपने दोस्तों के साथ होली का त्योहार मनाने बाहर गई थी। रात करीब 9 बजे उसके दोस्त उसे घर छोड़कर लौट गए। लेकिन महज 15 मिनट बाद नीचे रहने वाले किरायेदार विमल भट्ट की बेटी हर्षिता किसी काम से ऊपर गई, तो उसने कमरे के अंदर का मंजर देखकर चीखघ पुकार मचा दी। राजलक्ष्मी पंखे से फंदा लगाकर लटकी हुई थी। हर्षिता की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

स्थानीय लोगों ने दरवाजे की जाली तोड़कर राजलक्ष्मी को नीचे उतारा और आनन-फानन में कैलाश अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रायपुर थाना प्रभारी गिरीश नेगी के मुताबिक, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। ऐसे में आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल साफ नहीं हो पाई है। पुलिस राजलक्ष्मी के दोस्तों से पूछताछ कर रही है और उसके मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स भी खंगाली जा रही हैं।

'शव' से लूट करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क हादसें में मृतक के शव से लूट करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटा गया सामान बरामद हुआ है। मामला 28 फरवरी का है, जानकारी के अनुसार बरेली रोड निवासी गोपाल सिंह बिष्ट के पुत्र का एक्सीडेंट हो गया था। बेटे को खोने के गम में डूबे परिवार को तब एक और झटका लगा जब उन्हें पता चला कि हादसे के तुरंत बाद अज्ञात चोरों ने मृतक के वाहन से कीमती मोबाइल और सोने की अंगूठी चोरी कर ली है। पिता की तहरीर पर कोतवाली हल्द्वानी में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की संवेदनशीलता और शर्मनाक हरकत को देखते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. ने टीम को तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। मामले में तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस ने गौजाजाली निवासी मौ. उवेश उर्फ मुन्ना और इन्द्रानगर निवासी मौ. सैफ अली को धर दबोचा।पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से मृतक का विवो मोबाइल और सोने की अंगूठी बरामद कर ली है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

कर्नाटक में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन !

कार्यालय संवाददाता

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। यह घोषणा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने बजट भाषण के दौरान की, जहां उन्होंने कहा कि बच्चों की मानसिक सेहत, सीखने की क्षमता और डिजिटल लत को देखते हुए कड़े नियम जरूरी हो गए हैं। सरकार का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अनियंत्रित स्क्रीन टाइम बच्चों के व्यवहार, ध्यान क्षमता और सुरक्षा पर गंभीर असर डाल रहे हैं। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के जोखिमपूर्ण और अनुचित प्रभावों से दूर रहें। बच्चों में मोबाइल फोन के बढ़ते इस्तेमाल के साइड इफेक्ट को रोकने के लिए, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक 16 साल से कम उम्र के युवाओं के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाएगा।

हाल ही में, वाइस चांसलर के साथ एक मीटिंग में, उन्होंने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए मोबाइल फोन पर बैन लगाने पर उनकी राय मांगी थी। इससे पहले हेल्थ मिनिस्टर दिनेश गुंडू राव और आईटी/बीटी मिनिस्टर प्रियांक खरगे ने भी इसी तरह की बात कही थी। जिसके बाद सीएम ने ये ऐलान किया। नाबालिगों के सोशल मीडिया उपयोग पर संभावित प्रतिबंध/सीमाएं लगाने का उद्देश्य बच्चों पर मोबाइल और स्क्रीन टाइम के नकारात्मक प्रभाव को कम करना है।

इसी संदर्भ में बजट भाषण के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया (बजट घोषणा) ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर पाबंदी की बात कही। जिसका मकसद ये है कि नाबालिगों को सोशल मीडिया की बुरी लत से दूर रखा जाए।

असम में फाइटर जेट सुखोई हुआ क्रैश, वायुसेना के 2 पायलट शहीद

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। असम में फाइटर जेट सुखोई-30 एमकेआई विमान के क्रैश होने से जुड़ी बड़ी अपडेट सामने आयी है। विमान क्रैश में वायुसेना के 2 पायलटों की मौत हो गई है। आईएएफ स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर की मौत हुई है। भारतीय वायुसेना ने मृत पायलट को लेकर शोक संवेदना व्यक्त की है। भारतीय वायु सेना ने शुक्रवार को बताया कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटना में दो पायलटों की मौत हो गई। ट्रेनिंग के दौरान विमान गुरुवार शाम को जोरहाट एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद लगभग 60 किलोमीटर दूर

दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुख की घड़ी में भारतीय वायु सेना के सभी जवान शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय वायु सेना की सर्च और रेस्क्यू टीम ने नागरिक और पुलिस प्रशासन तथा ग्रामीणों की सहायता से घटनास्थल तक पैदल चलकर लगभग 1 बजे मलबा खोज निकाला। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया था कि जोरहाट एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान लापता हो गया। उन्होंने बताया था कि रूसी मूल के इस विमान से शाम 7:42 बजे संपर्क टूट गया था। जब विमान अपने पहुंचने वाले स्थान पर समय से नहीं पहुंचता या अपने अनुमानित आगमन समय या आखिरी लोकेशन बताने के 30 मिनट के अंदर कोई सूचना नहीं देता, ऐसी स्थिति में सर्च एंड रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया जाता है। सुखोई-30 एमकेआई दो सीटों वाला लंबी दूरी का मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे रूस की विमान निर्माता कंपनी सुखोई ने विकसित किया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।